''सामान्य वर्ग तथा आदिवासी महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन''

डॉ. ऋचा चतुर्वेदी
अतिथि विद्वान, मनोविज्ञान विभाग,
एवं
डॉ. प्रीतम सिंह
अतिथि विद्वान, समाज कार्य विभाग,
एवं
डॉ. निधि सिंह परिहार
अतिथि विद्वान, मनोविज्ञान विभाग,
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सामान्य वर्ग तथा आदिवासी महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस अध्ययन में जो परिकल्पना निर्मित की थी वह यह थी कि सामान्य वर्ग की महिलाओं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आदिवासी महिलाओं की अपेक्षा अच्छा रहता है। सामान्य वर्ग की महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य आदिवासी महिलाओं की अपेक्षा अच्छा रहता है। सामान्य वर्ग तथा आदिवासी महिलाओं के मानसिक के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर पाया जायेगा। P.G.I. H.Q. N-I मापनी वर्मा, बिंग तथा प्रसाद द्वारा निर्मित को 50 मध्यम वर्गीय, शिक्षित महिलाओं पर प्रसासित किया गया जिसमे से 25 महिलाऐं सामान्य वर्ग की थी और 25 महिलायें आदिवासी (कोल जाति) की थी। प्रदत्त संकलन करके सांख्यिकी का उपयोग किया गया मध्यमान, मानक विचलन तथा टी अनुपात की गणना की गई। इस शोध से प्राप्त परिणामों ने परिकल्पनाओं की पुष्टि की सामान्य वर्ग की महिलाओं का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ आदिवासी महिलाओं की अपेक्षा बेहतर पाया गया। इसी प्रकार दोनों वर्गो की महिलाओं के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया है। परिणामों की विवेचना सम्पूर्ण शोध पत्र में की गई है।

बीज शब्द - आदिवासी, महिलायें, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2022-23
अंक-35-36, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्